भारत सरकार

मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय

पशुपालन और डेयरी विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या- 497

दिनांक 6 फरवरी, 2024 के लिए प्रश्न

राष्ट्रीय गोकुल मिशन की भूमिका

497. श्री गणेश सिंह:

डॉ. उमेश जी. जाधव

क्या **मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) दूध उत्पादन बढ़ाने, स्वदेशी गोजातीय नस्लों की उत्पादकता बढ़ाने में राष्ट्रीय गोकुल मिशन (आरजीएम) की क्या भूमिका है;

(ख) क्या राष्ट्रीय गोकुल मिशन ने सम्पूर्ण देश में डेयरी व्यवसाय में संलग्न ग्रामीण किसानों हेतु वित्तीय व्यवहार्यता बढ़ा दी है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या राष्ट्रीय गोकुल मिशन के लिए बजट आवंटन में कोई परिवर्तन हुआ है; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री

(श्री परशोत्तम रूपाला)

(क) और (ख) पशुपालन और डेयरी विभाग देशी बोवाईन नस्लों के विकास और संरक्षण, बोवाईन आबादी के आनुवंशिक उन्नयन और दूध उत्पादन और बोवाईनों की उत्पादकता में वृद्धि पर ध्यान केन्द्रित करते हुए राष्ट्रीय गोकुल मिशन कार्यान्वित कर रहा है ताकि किसानों के लिए दुग्ध उत्पादन अधिक लाभकारी हो सके। यह योजना 2400 करोड़ रुपये के परिव्यय के साथ वर्ष 2021-22 से वर्ष 2025-26 तक विभाग की संशोधित और पुर्नसंरेखित योजनाओं के तहत जारी है।

पिछले 9 वर्षों में दूध उत्पादन वर्ष 2013-14 के दौरान 146.3 मिलियन टन से 57.6% बढ़कर वर्ष 2022-23 के दौरान 230.60 मिलियन मीट्रिक टन हो गया है। पिछले 9 वर्षों में दूध उत्पादन 5.9% की वार्षिक वृद्धि दर से बढ़ रहा है। पिछले 9 वर्षों के दौरान गोपशु और भैंसों की औसत उत्पादकता वर्ष 2013-14 के दौरान 1648.17 किलोग्राम प्रति पशु प्रति वर्ष से 24.3% बढ़कर वर्ष 2021-22 में 2048 किलोग्राम प्रति पशु प्रति वर्ष हो गई है, जो विश्व में सबसे अधिक उत्पादकता वृद्धि दर है। राष्ट्रीय लेखा सांख्यिकी (एनएएस) 2023 के अनुमानों के अनुसार, दूध के उत्पादन का मूल्य 9.95 लाख करोड़ रुपए (वर्ष 2021-22) से अधिक है, जो कृषि उपज का उच्चतम है तथा धान और गेहूं के संयुक्त मूल्य से भी अधिक है।

(ग) और (घ) चालू वित्त वर्ष के दौरान राष्ट्रीय गोकुल मिशन के अंतर्गत उपलब्ध कराए गए बजट आबंटन में 44.92 की वृद्धि की गई है। योजना के तहत उपलब्ध कराया गया आवंटन और किया गया व्यय निम्नलिखित तालिका में दिया गया है:

वित्तीय	करोड़ रु. में										
	वर्ष 2014-15	वर्ष 2015-16	वर्ष 2016-17	वर्ष 2017-18	वर्ष 2018-19	वर्ष 2019-20	वर्ष 2020-21	वर्ष 2021-22	वर्ष 2022-23	वर्ष 2023-24	कुल
आवंटन	159.4	81.77	119.5	190	750.5	270	400	663.55	604.75	869.54	4109.01
व्यय	159.02	81.76	118.75	187.64	750.44	269.73	399.9	663.55	604.75	452.00	3687.54

******